SUCCESS KEY TEST SERIES

IX (English)

(Unit Test -1 Hindi 1,2,3,4,5.)

Hindi-(1,2,3,4,5)

DATE: 16-09-19

TIME: 1.30 hrs

MARKS: 40

SEAT NO:

प्र. १ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

1) आकृति पूर्ण कीजिए 2

1. थानेदार ने अमरु को धमकी दी - ☐

2. कारण लिखिए -

i. अमरु पर भीड़ अबतक नहीं टूट पड़ी थी -

अगर थानेदार और पुलिस का सिपाही वहाँ न होते तो अबतक अमरू पर भी टूट पड़ी होती | थानेदार ने आते ही अमरू की कलाई पकड़ ली और पूछा, "बोल, यह बच्चा तूने कहाँ से उठाया है और इसे तू कहाँ ले जा रहा है ? बता कहाँ है तेरे साथी ? आज सबका सुराग लगाकर ही हटूँगा |" अमरू अब तक तो दिल मे हँस रहा था मगर थानेदार की धमकियों से कुछ घबरा गया | दबी आवाज में वह थानेदार से बोला- "सरकार, मैंने किसी का बच्चा नहीं उठाया | न मैं बदमाश हूँ | मैं तो एक भले घर का नौकर हूँ | रोटी-चौका करता हूँ और अपना पेट पालता हूँ |"

जो आदमी थानेदार को बुलकर लाया था, क्रोध में आकर बोला, "क्यों बकता है, बे ! दरोगा जी, ऐसे नहीं यह मानेगा | दो-चार बेंत रसीद कीजिए |"दरोगा ने बगल से निकाल कर बेंत अपने हाथ में ली ही थी कि अमरू नम्रतापूर्वक झुका और बोला, "सरकार, आप जितना चाहें मुझे पीट लें, पहले यह तो देख लें कि इस बोरी में है क्या ? हुक्म हो तो चलिए थाने चलें |" यद्यपि थानेदार इस बात पर राजी हो गए थे पर भीड़ कब मानने वाली थी | लोग चिल्ला उठे, "हरगिज नहीं, ऐसा कभी नहीं होगा | हम सब इस आदमी की बदमाशी के गवाह हैं | मामला कभी दबने नहीं देंगे |" थानेदार दुर गए कि उनकी नीयत पर लोगों को शक हो रहा है | उन्होंने अमरू से कहा, " अच्छा, बोरी को नीचे रखो | इसका मुंह खोलो |"

अमरू शांतिपूर्वक नीचे बैठ गया और धीरे धीरे से उसने बोरी का मुंह खोल दिया | जैसे ही बोरी का मुँह खुला बिल्ली का बिलंगुड़ा छलाँगें मारता हुआ एक तरफ भाग गया और लोग देखते ही रह गए | थानेदार की भी समझ में न आया कि अब क्या करें ? वह थाने की तरफ मुड़ा और एक ताँगेवले की पीठ पर बेंत मारते रास्ते में ताँगा खड़ा नहीं करना चाहिए |" इस प्रकार अपनी झेंप मिटाने का यत्न करते हुए दरोगा जी चले गए और अमरू हँसता हुआ घर वापस आ गया |

2) 1. एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए: 2

थानेदार अमरू को कहाँ ले जाने के लिए राजी हो गया ?

2. निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए

बेत

3) 1. निम्न शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद से चुनकर लिखिए: 2

i. राज –

ii. संदेह -

2. परिच्छेद में आए विराम चिहन चुनकर उनके नाम लिखिए

i.....

ii. .....

4) स्वमत 2

प्राणी हमसे कहते हैं, जियो और जीने दो' इस विषय पर अपने विचार लिखिए |

प्र. २ (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)

1) संजाल पूर्ण कीजिए: 2

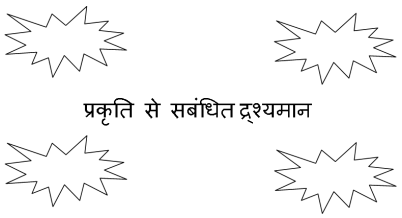

चारु चन्द्र की चंचल किरणें
खेल रही है जल – थल मे |
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है
अवनि और अंबर तल मे ||

पुलक प्रगत करती है धरती
हरित तृणों की नोकों से |
मानो झूम रहे है तरु भी
मंद पवन के झोंकों से ||

क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह
है क्या ही निस्त्बध निशा |
है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह
निरानंद है कौन दिशा ?

बंद नहीं, अब भी चलते है
नियति नटी के कार्य-कलाप |
पर कितने एकांत भाव से
कितने शांत और चुपचाप ||

2) 1. एक – एक शब्द में उत्तर लिखिए : 2

i. मंद पवन के झोकों से यह झूम रहे हैं -
ii. हरित तृणों से यह पुलक उठती है |

2. पद से सबंधित प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो

i. चाँदनी
ii. नियती

3) दूसरे पढ़ का भावार्थ सरल हिंदी में लिखिए : 2

(आ) पठित पद्यांश का सूचना के अनुसार विश्लेषण कीजिए। **(6)**

किताबें झाँकती हैं बंद अलमारी के शीशों से,
बड़ी हसरत से तकती हैं ।
महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं,
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं
अब अक्सर .....

1) प्रस्तुत पद्यांश के कवि का नाम क्या है ?
2) कविता की विधा क्या है ?
3) इस कविता में आपका पसंदीदा व्यक्ति कौन है ?
4) पसंद व्यक्ति के पसंदीदा होने का कारण लिखिए ।
5) कविता से प्राप्त संदेश लिखिए ।

प्र. ३ परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (पूरक पठन)

1) कृति पूर्ण कीजिए - 2

1) कबीर जी को जो विचलित नहीं कर सकती वो है –

2) कबीर जी के मतानुसार बिना ज्ञान के व्यर्थ है –

हम घर जारा अपना, लिया मुराड़ा हाथ।
अब घर जारों तासु का, जो चलै हमारे साथ।

हमन हैं इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या।
रहें आजाद या जग से, हमन दुनिया से यारी क्या।
जो बिछुड़े हैं पियारे से, भटकते दर-बदर फिरते।
हमारा यार है हम में, हमन को इंतजारी क्या।

आसमान का आसरा छोड़ प्यारे,
उलटि देख घट अपन जी।
तुम आप में आप तहकीक करो,
तुम छोड़ो मन की कल्पना जी।

2) स्वमत अभिव्यक्तिः- 2

हम घर जारा अपना, लिया मुराड़ा हाथ।
अब घर जारों तासु का, जो चलै हमारे साथ।
उपर्युक्त पद्य का भावार्थ स्पष्ट करो।

प्र. ४ व्याकरण

1. निम्नलिखित शब्दों के वाक्य प्रयोग अव्यय के रूप में कीजिए। (2)

1) सामने

2) ओर

2. निम्न शब्दों को संधि विच्छेद कर भेद लिखिए (1)

सोदाहरण -

3. काल पहचानिए (1)

मामला कभी दबने नहीं देंगे ।

4. निम्न शब्दों को मानक वर्तनी के अनुसार लिखिएः (2)

1) कुरते

2) कमसेकम

प्र. ५ उपयोजित लेखन

1. पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए (5)

राजेश / रागिनी कुलकर्णी, नेहरू रोड, अमरावती से मा। व्यवस्थापक, मौर्य बुक डेपो, कोल्हापुर को पत्र लिखकर हिंदी की आवश्यक पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है|

2. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य मे हो| (5)

यह बात सभी जानते है की विश्व के १८५ देशों में इंग्लौड सहित केवल ६देशों की ही सरकारी भाषा अँग्रेजी सामज्य के अंतर्गत रहे थे, जबकि बिना कर विभिन्न क्षेत्रो में अपनी ख्याति बढ़ा रहे है| परंतु दुभाग्य वश सरकार में बैठे कतिपय स्वार्थी लोगों ने

अपने स्वार्थी की खातिर राष्ट्रभाषा को उसका जायज हक पाने से रोका और ऐसे लोग आज भी कम ताकतवर नहीं है| हिन्दी का प्रमुख विरोध अब तक दक्षिण भारत में ही| हिंदी का प्रमुख विरोध अब तक दक्षिण भारत में ही अहदीक हुआ है| तमिलनाडु आधी राजी अपनी प्रादेशिक भाषाओं और अँग्रेजी में ही कामकाज करते हैं| परंतु जब भी कभी हिंदी की बात उठती है, तो वे उसके रास्ते में हमेश रुकवाप डालते चले आ रहे है| यह भी वास्तविकता है की दक्षिण भरता में भी हिंदी सीख लेने वालों की कानी नहीं है, जो इस बात क एलिए पूरी तरह तैयार है की यादी कभी हिंदी का बोलबाला हो जाए और वह राजभाषा के पद पर प्रतिष्ठित हो जाए, ठो भी अखिल भारतीय सेवाओं में उनही का वर्चस्व कायम रह सके|